संत अलॉयसियस स्वशासी महाविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

2025-2026

भाग अ परिचय			
कार्यक्रम पत्रोपाधि (डिप्लोमा पाठ्य क्रम)	कक्षा : बी.ए.	सेमेस्टर: तृतीय	सत्र: 2025-2026
विषय: प्रयोजनमूलक हिंदी (Functional Hindi)			

1	पाठ्यक्रम का कोड	A2-FHINIT
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	अनुवाद: सिद्धांत और प्रविधि
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	इलेक्टिव
4	पूर्वपक्षा (Prerequisite)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने प्रयोजनमूलक हिन्दी विषय के साथ स्नातक प्रथम वर्ष अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण की हो।
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	भावाभिव्यक्ति एवं आपसी-विचार विमर्श के सशक्त माध्यम के रूप में भाषा का वैशिष्ट्य सर्वविदित है। एक भाषा में प्रकट भाव व विचार को दूसरी भाषा में परिवर्तित करने की प्रक्रिया अनुवाद प्रविधि को जन्म देती है। दो भिन्न भाषा बोलने वाले व्यक्तियों को परस्पर संबाद करने के लिए अनुवाद की जरूरत होती है। अतः अनुवाद का संबंध दो भाषाओं से है। पर्यटन व्यवसाय से जुड़े गाइड अनुवाद के द्वारा ही स्वदेशी या विदेशी लोगों के बीच संपर्क स्थापित करते हैं। धार्मिक और ललित साहित्य के क्षेत्र में अनुवाद की परंपरा प्राचीनकाल से है। आज रामायण, महाभारत, बाइबिल आदि धर्म ग्रंथों के अन्य भाषा संस्करण अनुवाद से ही सुलभ हैं। इसी प्रकार बांग्ला, तमिल, तेलुगू तथा अंग्रेजी आदि भाषाओं का साहित्य भी हम आसानी से पढ़ सकते हैं। वैश्वीकरण व संचार क्रांति के युग में अनुवाद की भूमिका को अधिक बढ़ा दिया है। बाजारवाद अनुवादक की आवश्यकता और महत्व को अधिक स्थान दे रहा है। सभी जगह अनुवाद कार्य करने वाले कुशल व्यक्ति की महती आवश्यकता है। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए अनुवाद की प्रविधि को समझने हेतु यह पाठ्यक्रम निर्मित किया गया है। पाठ्यक्रम के अध्ययन से - 1 विद्यार्थी शैक्षणिक संस्थानों में अध्यापन के क्षेत्र में, राजभाषा अधिकारी के रूप में, पर्यटन उद्योग, होटल प्रबंधन इत्यादि में रोजगार प्राप्त कर सकता है।

		2 विद्यार्थी सरकारी विभागों में अनुवादक, न्यायालय में दस्तावेज –अनुवादक, सूचना विभाग, संचार माध्यमों में भाषा-अनुवादक की आवश्यकता पूर्ति कर सकेगा ! 3 विद्यार्थी को पर्यावरण, उद्योग, रेडियो, टीवी समाचार, गैर सरकारी संगठनों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों एवं राजनीतिक गतिविधियों आदि में बतौर भाषण-लेखक एवं अनुवादक के रूप में कार्य मिलने के अवसर प्राप्त हो सकेंगे। 4 वैश्वीकरण के युग में, बाजारबाद के कारण बहुराष्ट्रीय कम्पनियों को अपने उत्पाद के प्रचार-प्रसार एवं मार्केटिंग हेतु अनुवादकों की आवश्यकता की पूर्ति कर सकेगा। 5 विद्यार्थी को पत्रकारिता के विविध पक्षों, प्रकाशन के क्षेत्र में पुस्तकों के अनुवाद और प्रतिवेदन आदि निर्माण के अवसर उपलब्ध होंगे।
6	क्रेडिट मान	सैद्धान्तिक - 6
7	**कुल अंक**	**100** **सैद्धांतिक मूल्यांकन – 60** **आंतरिक मूल्यांकन – 40**

MAJOR TH-1

भाग ब – पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल -प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): 3 घण्टे प्रति सप्ताह (L-T.P.3-0.0) कुल व्याख्यान : 90		
पाठ्यक्रम		
इकाई	**विषय (Topic)**	**व्याख्यान की संख्या**
इकाई 1	1 अनुवादः अर्थ, स्वरूप, प्रकृति और क्षेत्र। 2 अनुवाद की आवश्यकता एवं महत्व । 3 हिंदी की प्रयोजनीयता और अनुवाद कार्य। 4 आधुनिक तकनीक, संचार माध्यम और अनुवाद ।	18
इकाई 2	1 अनुवाद के सिद्धांत और समस्याएं। 2 अनुवाद विज्ञान और भाषाः स्रोतभाषा एवं लक्ष्य भाषा। 3 अनुवाद की प्रविधिः विभिन्न चरण-विश्लेषण, अंतरण एवं पुनर्गठन। 4 अनुवाद के भेदः शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, सारानुवाद, आशु अनुवाद, मशीनी अनुवाद।	18

इकाई 3	1 अनुवाद के आयामः साहित्यिक अनुवाद, विज्ञानपरक अनुवाद, विधिक अनुवाद, वाणिज्यिक अनुवाद । 2 अनुवाद की भूमिका के तीन पक्षः पाठक की भूमिका (अर्थ ग्रहण), द्विभाषिक की भूमिका (अर्थातरण की प्रक्रिया) एवं रचयिता की भूमिका अर्थ सम्प्रेषण की प्रक्रिया 3 प्रशासनिक एवं कार्यालयीन पत्रों का अनुवाद ।	18
इकाई 5	1 अनुवाद कला और सृजन 2 सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद और तकनीकी अनुवाद में अंतर 3 अनुवादक की अर्हता और सफल अनुवादक के आवश्यक गुण । 4 दुभाषियाः प्रविधि एवं भाषान्तरणः दुभाषिया (इंटरप्रीटर) की अर्हता व गुण 5 हिन्दी अनुवाद का भविष्य ।	18

सार बिंदु (की बर्ड) टैग – अनुवाद, अनुवाद प्रविधि, संचार माध्यम, दुभाषिया, भाषान्तरण, अनुवाद कला, आशु अनुवाद, मशीनी अनुवाद, स्रोतभाषा, लक्ष्यभाषा।

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

1 पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तके, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें / अन्य / अन्य पाठ्य संसाधन / पाठ्य सामग्री :

1 आनंद, इंद्रनाथ – " सरल अनुवाद शिक्षा" – मल्होत्रा ब्रदर दिल्ली -1955
2 तिवारी, डॉ. भोलानाथ - "अनुवाद की व्यावहारिक समस्याएं" – शब्दकार, दिल्ली -सं.1978
3 तिवारी, डॉ. भोलानाथ - "अनुवाद विजान " – शब्दकार, दिल्ली -सं.1972
4 पालीवाल, डॉ. रीता रानी, अनुवाद प्रक्रिया ललित दिल्ली. सं. 1982
5 पांडे, हेमचन्द्र- " अनुवाद शास्त्रः व्यवहार से सिद्धांत की ओर"– तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, .2008
6 भाटिया, कैलाश चंद्र -"अनुवाद सिद्धान्त और प्रयोग" – तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली से 2008
7 शास्त्री चारुदेव अनुवाद कला - मोतीलाल बनारसीदास वाराणसी सं. 1956
8 सक्सेना, प्रदीप- "अनुवाद सैध्दांतिकी"– आधार प्रकाशन, पंचकुला, सं-1999
9 सिंह, सूरजभान- " प्रयोजनमूलक भाषा और अनुवाद"- अहमदाबाद , सं-2003
10 सिंहल, सुरेश - " सृजनात्मक साहित्य और अनुवाद"- प्रकाशन, नई दिल्ली सं-1998
11 हरिमोहन डॉ. - "अनुवाद विज्ञान और संप्रेषण"- तक्षशिला पब्लिकेशन, दिल्ली सं-2014

1 अनुशंसित वेबसाइट एवं डिजिटल संपर्क-सूत्र :

1. hutps://ndi.jitkco.ac.in/
2. https://cpustakalay.com
3. https://hindivishwa.org/
4. https://www.youtube.com/embed/Gia_UGbExMZE
5. hups//uesmoocs.inflibnet.ac.in
6. https://www.swavunambha.gov.inl

7. https://www.youtube.com/embed/MEJH7GG8x107
8. http://eth.mibhasha.gov.in/pdf/chapter3.pdf
9. hup://egyankosh.ac.in/bitstream/123456789/49314/1/Block-1.pdf
10. hup://span.inflibnet.ac.in/spupdate/uploads/epen content/5000018HI/P001757/M073494/FIL 506596312HND PS M30. Anuvaad.pdf

अनुशंसित मूल्यांकन विधियां

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां अधिकतम अंक- 100

सतत व्यापक मूल्यांकन- 40 मुख्य परीक्षा- 60

भाग द- अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियाँ

अधिकतम अंक 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक: 40 मुख्य परीक्षा (ME) अंक: 60

आंतरिक मूल्यांकन सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE)	क्लास टेस्ट असाइनमेंट प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	कुल अंक :40
आंकलनः मुख्य परीक्षा समय 03.00 घंटे	अनुभाग (अ):. वस्तुनिष्ठ अनुभाग (ब):) लघु प्रश्न अनुभाग (स): दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	कुल अंक 60

कोई टिप्पणी/सुझाव